8. Write short notes on any **two** :

(a) Manusmriti

(b) Social roots of Buddhism

(c) Social mobility in Delhi Sultanate

(d) Unity in diversity

किन्ही **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

(क) मनुस्मृति

(ख) बौद्ध धर्म का सामाजिक आधार

(ग) दिल्ली सल्तनत में सामाजिक गतिशीलता

(घ) अनेकता में एकता

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 5973 **H**

Unique Paper Code : 2314001203

Name of the Paper : Indian Society: A Historical Perspective

Name of the Course : **Common Prog Group :GE**

Semester : II

Duration : 3 Hours — Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे — पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **Four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

P.T.O.

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Outline the important markers of society as depicted in Brahmanical literature of early India.

प्रारंभिक भारत के ब्राह्मण साहित्य में वर्णित समाज के प्रमुख अभिलक्षणों को रेखांकित कीजिये।

2. Discuss the role of kinship and its regional variations in Indian society with relevant examples.

भारतीय समाज में नातेदारी व्यवस्था एवं इसके क्षेत्रीय विभिन्नताओं की भूमिका का सटीक उदाहरणों के साथ वर्णन कीजिये।

3. Define and differentiate between a tribe and pastoral community with appropriate examples.

जनजाति एवं घुमंतू समुदाय को परिभाषित करते हुए उनके बीच अंतर को सटीक उदाहरणों के साथ स्पष्ट करें।

4. Describe the nature of interactions and dependence of Mughal agrarian society on pastoral tribes.

घुमंतू जनजातियों के ऊपर मुगल कृषक समाज के पारस्परिक सम्बन्ध एवं निर्भरता की प्रकृति का वर्णन कीजिये।

5. Critically evaluate the impact of Kabir's teachings on Indian society.

भारतीय समाज पर कबीर की शिक्षाओं के प्रभाव का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

6. To what extent the notion of dominant caste provides an answer to social mobility in India. Elaborate.

किस सीमा तक प्रभुत्वशाली जाति की अवधारणा ने भारत में सामाजिक गतिशीलता को उत्तर प्रदान किया ? विस्तारित कीजिये।

7. Were women the subject of social reform movements in 19th century India? Discuss.

क्या महिलाएं 11 वी सदी में सामाजिक सुधार आन्दोलनों का विषय थी? विवेचन कीजिये।